

I
A
S



P
C
S

Committed To Excellence

DAILY

CURRENT AFFAIRS ANALYSIS

(Pre+Mains) with MCQ



NATIONAL &
INTERNATIONAL



POLITY &
GOVERNANCE



ECONOMY



DEVELOPMENT
& SCIENCE



ENVIRONMENT
& ECOLOGY



DEFENCE &
SECURITY



19 जून
2026

GS
World

FOR PDF DOWNLOAD
GS WORLD LEARNING APP



1. ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ऐतिहासिक समझौता: क्या है यूरेनियम डाउनब्लेंडिंग प्रक्रिया?

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अमेरिका और ईरान ने एक ऐतिहासिक सहयोग समझौते (Memorandum of Cooperation) पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत ईरान अपने उच्च संवर्धित यूरेनियम (Highly Enriched Uranium - HEU) के भंडार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की कड़ी निगरानी में **डाउनब्लेंड (Downblend)** करेगा।

क्या है डाउनब्लेंडिंग प्रक्रिया?

- डाउनब्लेंडिंग एक विशेष परमाणु इंजीनियरिंग प्रक्रिया है, जो यूरेनियम संवर्धन (Enrichment) की ठीक विपरीत प्रक्रिया मानी जाती है। इसमें हथियार-ग्रेड या उच्च संवर्धित यूरेनियम को प्राकृतिक अथवा निम्न संवर्धित यूरेनियम के साथ मिलाकर उसकी शुद्धता कम की जाती है।
- इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य परमाणु हथियार निर्माण में उपयोग होने वाले यूरेनियम-235 (U-235) की मात्रा को कम करना तथा परमाणु प्रसार (Nuclear Proliferation) के खतरे को समाप्त करना है।

डाउनब्लेंडिंग कैसे की जाती है?

- सबसे पहले यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड (UF_6) को ऑटोक्लेव में 80 से 110 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म किया जाता है, जिससे वह गैस में परिवर्तित हो जाता है।
- इसके बाद निम्न संवर्धित यूरेनियम गैस को मिश्रण के लिए जोड़ा जाता है। दोनों गैसों को एक विशेष "ब्लेंडिंग टी" में मिलाया जाता है, जहां विशेष संरचनाएं (Baffles) अशांति (Turbulence) उत्पन्न कर समान मिश्रण सुनिश्चित करती हैं।
- पूरी प्रक्रिया के दौरान स्वचालित सेंसर यूरेनियम-235 की मात्रा की निगरानी करते हैं। यदि निर्धारित सीमा से अधिक संवर्धन पाया जाता है तो प्रणाली स्वतः बंद हो जाती है।
- मिश्रित सामग्री को बाद में ठोस रूप में बदलकर यूरेनियम डाइऑक्साइड (UO_2) में परिवर्तित किया जाता है, जिसे सीधे पुनः संवर्धित करना अत्यंत कठिन होता है।

IAEA की भूमिका

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगी। एजेंसी के विशेषज्ञ प्रयोगशाला परीक्षणों के माध्यम से संवर्धन स्तर की पुष्टि करेंगे तथा सामग्री को छेड़छाड़-रोधी सीलों (Tamper-Proof Seals) से सुरक्षित करेंगे।

प्रमुख विशेषताएं

- हथियार-ग्रेड यूरेनियम को 5% से कम U-235 स्तर तक लाया जाएगा।
- सामग्री केवल नागरिक परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयुक्त रहेगी।
- UF_6 को UO_2 में बदलने से पुनः हथियार-ग्रेड संवर्धन कठिन हो जाएगा।
- 24x7 निगरानी, स्वचालित ट्रैकिंग और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे।

क्यों महत्वपूर्ण है यह समझौता?

- विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम पश्चिम एशिया में परमाणु तनाव को कम करने, वैश्विक सुरक्षा को मजबूत करने तथा परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यदि यह प्रक्रिया सफल रहती है तो यह अंतरराष्ट्रीय परमाणु कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है।

निष्कर्ष:

- डाउनब्लेंडिंग केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं बल्कि वैश्विक शांति, परमाणु सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण साधन है। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह समझौता भविष्य में क्षेत्रीय स्थिरता और परमाणु अप्रसार प्रयासों को नई दिशा दे सकता है।

2. जलवायु संकट से निपटने में बड़ी सफलता: ICAR ने विकसित की स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक

भारत में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच कृषि क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और उत्पादक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। हैदराबाद स्थित **ICAR-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIOR)** ने एक अभिनव एवं पेटेंट प्राप्त **स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक (Smart Seed Coating Technology)** विकसित की है, जो फसलों की स्थापना क्षमता बढ़ाने तथा जलवायु संबंधी तनावों से सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

क्या है स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक?

- स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक एक भारतीय पेटेंट प्राप्त, जैव-अवक्रमणीय (Biodegradable) बीज संवर्धन प्लेटफॉर्म है। यह पारंपरिक बीज उपचार तकनीकों की तुलना में अधिक उन्नत है क्योंकि यह बीज को केवल सुरक्षा ही नहीं बल्कि पोषण एवं जैविक सहायता भी प्रदान करती है।
- इस तकनीक को ICAR-IIOR, हैदराबाद के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित एवं प्रमाणित किया गया है।

उद्देश्य क्या है?

- इस तकनीक का मुख्य उद्देश्य जलवायु-अनुकूल कृषि (Climate Resilient Agriculture) को बढ़ावा देना, वर्षा आधारित खेती में उत्पादन जोखिम कम करना तथा फसल उत्पादकता बढ़ाना है।
- यह विशेष रूप से अनियमित मानसून, सूखा, अत्यधिक तापमान, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और कीटों के दबाव जैसी चुनौतियों से उभरते पौधों की रक्षा करती है।

यह तकनीक कैसे कार्य करती है?

- सबसे पहले बीजों पर जैव-अवक्रमणीय बायोपॉलिमर की एक विशेष परत चढ़ाई जाती है। यह परत बीज के चारों ओर एक सुरक्षात्मक कवच का निर्माण करती है।
- इस कोटिंग में लाभकारी सूक्ष्मजीव, आवश्यक पोषक तत्व, सूक्ष्म पोषक तत्व, पौध संरक्षण एजेंट तथा वृद्धि प्रोत्साहक तत्व शामिल किए जाते हैं।

- जब बीज मिट्टी में बोया जाता है और उसे नमी प्राप्त होती है, तब यह परत सक्रिय होकर बीज एवं मिट्टी के बीच एक सूक्ष्म अनुकूल वातावरण तैयार करती है। इसके बाद पोषक तत्व और जैविक घटक सीधे जड़ों के आसपास नियंत्रित रूप से उपलब्ध होते हैं, जिससे अंकुरण और जड़ विकास तेजी से होता है।

प्रमुख विशेषताएँ

- पूर्णतः जैव-अवक्रमणीय बायोपॉलिमर आधारित तकनीक।
- एक ही कोटिंग में सुरक्षा, पोषण एवं जैविक सहायता की सुविधा।
- विभिन्न फसलों की आवश्यकता के अनुसार अनुकूलन योग्य।
- अनाज, मोटा अनाज, दलहन, तिलहन, रेशा फसलें, सब्जियाँ एवं बागवानी फसलों में उपयोगी।
- मिट्टी और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाती है।

परीक्षणों में शानदार परिणाम

- अखिल भारतीय समन्वित बीज अनुसंधान परियोजना (AICRP-Seed) के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए परीक्षणों में मक्का, चना, कपास, सरसों तथा अरहर जैसी फसलों में **12% से 37% तक अधिक उत्पादन** दर्ज किया गया।
- इन परिणामों ने तकनीक की प्रभावशीलता को प्रमाणित किया है।

किसानों तक कैसे पहुँचेगी तकनीक?

- ICAR-IIOR ने इस तकनीक के व्यापक प्रसार के लिए राज्य बीज विकास निगमों, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) तथा निजी बीज कंपनियों के साथ साझेदारी की योजना बनाई है ताकि इसे बड़े पैमाने पर अपनाया जा सके।

क्यों महत्वपूर्ण है यह तकनीक?

- विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन के दौर में यह तकनीक किसानों को कम लागत में बेहतर अंकुरण, अधिक उत्पादन तथा जोखिम में कमी प्रदान कर सकती है। इससे वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

निष्कर्ष

- स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक भारतीय कृषि को अधिक टिकाऊ, उत्पादक और जलवायु-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नवाचार न केवल किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ा सकता है, बल्कि भविष्य की कृषि चुनौतियों से निपटने में भी अहम भूमिका निभा सकता है।

3. VivaTech 2026 में भारत की दमदार मौजूदगी: AI और डिजिटल नवाचार पर दुनिया के सामने रखा विजन

भारत के प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति **इमैनुएल मैक्रों** के साथ पेरिस में आयोजित **VivaTech 2026** में भाग लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल नवाचार और भारत-फ्रांस तकनीकी सहयोग को नई दिशा दी। इस अवसर पर भारत ने मानव-केंद्रित (Human-Centric) AI तथा समावेशी डिजिटल विकास के अपने दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।

क्या है VivaTech?

- **Viva Technology (VivaTech)** यूरोप का सबसे बड़ा स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी आयोजन है। इसे दुनिया के प्रमुख नवाचार मंचों में गिना जाता है, जहां स्टार्टअप, निवेशक, उद्योग जगत के नेता, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति निर्माता एक साथ आते हैं।
- यह आयोजन वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु तकनीकी नवाचार और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देता है।

आयोजन से जुड़े प्रमुख तथ्य

- **स्थान:** पेरिस एक्सपो पोर्ट डे वर्साय, फ्रांस
- **स्थापना:** 2016
- **संस्थापक:** Publicis Groupe एवं Les Echos-Le Parisien
- **आवृत्ति:** वार्षिक

VivaTech 2026 की प्रमुख विशेषताएँ

वर्ष 2026 के आयोजन में लगभग:

- 1.8 लाख प्रतिभागी
- 14,000 स्टार्टअप
- 4,000 साझेदार संस्थाएँ
- 450 वैश्विक वक्ता ने भाग लिया।

यह आयोजन 30 से अधिक व्यावसायिक एवं तकनीकी क्षेत्रों को कवर करता है।

भारत की ऐतिहासिक भागीदारी

- VivaTech 2026 में भारत ने अब तक का अपना सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजा। भारतीय मंडप (India Pavilion) में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हेल्थ-टेक, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, उन्नत कंप्यूटिंग तथा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) से जुड़े नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।
- 80 से अधिक भारतीय डीप-टेक कंपनियों और स्टार्टअप्स ने स्वास्थ्य, उद्योग, हरित परिवहन तथा जलवायु समाधान से जुड़े उत्पादों को वैश्विक निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया।

AI पर भारत का दृष्टिकोण

भारत ने मंच से नैतिक (Ethical), ओपन-सोर्स (Open Source) और मानव-केंद्रित AI की वकालत की।

भारत ने यह संदेश दिया कि AI का उपयोग केवल व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं बल्कि:

- जनकल्याण
- स्वास्थ्य सेवाओं
- शिक्षा
- डिजिटल समावेशन
- सामाजिक विकास

के लिए भी किया जाना चाहिए।

भारत-फ्रांस सहयोग को मिलेगा बल

विशेषज्ञों के अनुसार VivaTech 2026 में भारत की सक्रिय भागीदारी दोनों देशों के बीच:

- स्टार्टअप सहयोग
- AI अनुसंधान
- डिजिटल नवाचार
- उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश

को नई गति प्रदान करेगी।

क्यों महत्वपूर्ण है?

भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। ऐसे में VivaTech जैसे मंच भारत को अपनी तकनीकी क्षमता, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) और नवाचार मॉडल को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष

VivaTech 2026 में भारत की भागीदारी केवल तकनीकी प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल नेतृत्व क्षमता, स्टार्टअप शक्ति और मानव-केंद्रित AI के प्रति प्रतिबद्धता का वैश्विक प्रदर्शन है। यह आयोजन भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

4. UPSC EWS कोटा पर बड़ा खुलासा: क्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँच रहा है आरक्षण का लाभ?

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) कोटे के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक खोजी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि EWS कोटे के कई सफल अभ्यर्थियों की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि इस आरक्षण के मूल उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है।

क्या है मामला?

- रिपोर्ट के अनुसार, UPSC सिविल सेवा परीक्षा 2025 में कुल 958 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, जिनमें से 104 उम्मीदवार 10% EWS आरक्षण के अंतर्गत चयनित हुए।
- इंडियन एक्सप्रेस ने इन 104 उम्मीदवारों की शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन किया। जांच में सोशल मीडिया प्रोफाइल, कोचिंग संस्थानों के रिकॉर्ड और अन्य सार्वजनिक स्रोतों का उपयोग किया गया।

जांच में सामने आए प्रमुख तथ्य

रिपोर्ट के अनुसार:

- 104 में से 84 उम्मीदवारों ने निजी कोचिंग संस्थानों का सहारा लिया।
- 67 उम्मीदवार ऐसे प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में पढ़े जहां वार्षिक फीस ₹2.65 लाख तक थी।
- 46 उम्मीदवार महंगे निजी विद्यालयों से शिक्षित थे, जिनकी वार्षिक फीस ₹45,000 से ₹1.5 लाख तक थी।
- 28 उम्मीदवारों के परिवार व्यवसाय से जुड़े पाए गए।
- 10 उम्मीदवार UPSC की तैयारी से पहले बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत थे।
- 14 उम्मीदवार IIT, 3 NIT, 27 दिल्ली विश्वविद्यालय और 3 JNU जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के स्नातक या स्नातकोत्तर थे।

EWS आरक्षण क्या है?

- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) आरक्षण को वर्ष 2019 में **103वें संविधान संशोधन अधिनियम** के माध्यम से लागू किया गया था।
- इस संशोधन द्वारा संविधान में **अनुच्छेद 15(6)** और **16(6)** जोड़े गए, जिनके तहत सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में 10% आरक्षण प्रदान किया गया।
- वर्तमान नियमों के अनुसार EWS लाभ पाने के लिए परिवार की वार्षिक आय ₹8 लाख से कम होनी चाहिए तथा भूमि और संपत्ति से संबंधित कुछ शर्तें भी लागू होती हैं।

EWS आरक्षण की आवश्यकता

- सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों को अवसर प्रदान करना।
- आर्थिक आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना।

- उच्च शिक्षा और सरकारी सेवाओं में समान अवसर बढ़ाना।
- ग्रामीण एवं कृषक परिवारों के लिए सामाजिक गतिशीलता का मार्ग खोलना।
- समावेशी विकास को बढ़ावा देना।

प्रमुख चुनौतियाँ

विशेषज्ञों का मानना है कि EWS व्यवस्था के सामने कई चुनौतियाँ मौजूद हैं:

1. आय सीमा बहुत अधिक

₹8 लाख वार्षिक आय सीमा अपेक्षाकृत अधिक मानी जाती है, जिससे मध्यम वर्गीय परिवार भी पात्र बन जाते हैं।

2. कमजोर सत्यापन प्रणाली

कई मामलों में प्रमाण पत्र स्व-घोषणा और सीमित दस्तावेजों के आधार पर जारी किए जाते हैं।

3. वास्तविक गरीबों का वंचित होना

बेहतर शिक्षा, कोचिंग और संसाधनों वाले उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा में बढ़त हासिल कर सकते हैं।

4. संपत्ति सत्यापन की कमी

विभिन्न राज्यों में संपत्तियों और व्यवसायों की वास्तविक जानकारी का समेकित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

5. तैयारी की उच्च लागत

दिल्ली जैसे शहरों में कई वर्षों तक UPSC तैयारी जारी रखना स्वयं एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

आगे का रास्ता

विशेषज्ञों ने कुछ महत्वपूर्ण सुधार सुझाए हैं:

- EWS आय सीमा की पुनर्समीक्षा।
- प्रमाण पत्र जारी करने से पहले विस्तृत सत्यापन।
- आयकर, EPFO और अन्य सरकारी डेटाबेस से डिजिटल लिंकिंग।
- राष्ट्रीय स्तर पर संपत्ति सत्यापन प्रणाली विकसित करना।
- DoPT द्वारा वार्षिक समीक्षा तंत्र स्थापित करना।

निष्कर्ष

EWS आरक्षण का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को अवसर प्रदान करना है। हालांकि यदि पात्रता निर्धारण और सत्यापन प्रणाली पर्याप्त रूप से प्रभावी नहीं होगी, तो वास्तविक लाभार्थियों तक इसका लाभ पहुँचाने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए पारदर्शी

जांच, कठोर सत्यापन और समय-समय पर नीतिगत समीक्षा EWS आरक्षण की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

5. अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक 14-सूत्रीय समझौता: पश्चिम एशिया में शांति की नई उम्मीद

पश्चिम एशिया की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** और ईरानी राष्ट्रपति **मसूद पेजेशकियन** ने एक महत्वपूर्ण **14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding - MoU)** पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने 60 दिनों के भीतर एक व्यापक शांति संधि (Peace Treaty) पर बातचीत पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह समझौता केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका और ईरान के राजनीतिक, आर्थिक एवं सामरिक संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का प्रयास है।

क्या है यह समझौता?

- यह समझौता वर्ष 2015 के **JCPOA (Joint Comprehensive Plan of Action)** से कहीं अधिक व्यापक माना जा रहा है। इसमें परमाणु मुद्दों के साथ-साथ आर्थिक प्रतिबंध, क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और पुनर्निर्माण जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है।

समझौते की प्रमुख बातें

- शत्रुता की स्थायी समाप्ति**- दोनों देशों ने सभी प्रकार की सैन्य गतिविधियों को रोकने पर सहमति व्यक्त की है। इस व्यवस्था में लेबनान को भी शामिल किया गया है।
- आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं** - अमेरिका ने ईरान में शासन परिवर्तन (Regime Change) की नीति को औपचारिक रूप से त्यागने और उसकी संप्रभुता का सम्मान करने का आश्वासन दिया है।
- 60 दिन की वार्ता अवधि** - दोनों देश आपसी सहमति से वार्ता अवधि बढ़ा भी सकते हैं।
- अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त**- अमेरिका ने ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने युद्धपोत हटाने पर सहमति दी है।
- होर्मुज जलडमरूमध्य में निर्बाध आवागमन** - ईरान ने वैश्विक व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही की गारंटी दी है।
- 300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण कोष** - ईरान की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण हेतु एक विशाल अंतरराष्ट्रीय फंड स्थापित किया जाएगा।
- प्रतिबंध हटाने की प्रक्रिया** - अमेरिका चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा, बैंकिंग और शिपिंग क्षेत्रों पर लगाए गए प्रतिबंध हटाएगा।
- परमाणु हथियार नहीं बनाने की प्रतिबद्धता**- ईरान ने परमाणु हथियार विकसित न करने की अपनी पुरानी नीति दोहराई है।
- सैन्य यथास्थिति बनाए रखना** - वार्ता अवधि के दौरान कोई नया सैन्य विस्तार या हथियार उन्नयन नहीं होगा।
- अस्थायी प्रतिबंध राहत**- मानवीय सहायता और बैंकिंग लेन-देन को सुविधाजनक बनाने हेतु तत्काल राहत दी जाएगी।
- विदेशी परिसंपत्तियों की वापसी** - ईरान की 100 अरब डॉलर से अधिक की जमी हुई परिसंपत्तियों को चरणबद्ध रूप से मुक्त किया जाएगा।
- संयुक्त निगरानी तंत्र** - समझौते के पालन की निगरानी हेतु द्विपक्षीय समिति गठित की जाएगी।

13. प्राथमिकताओं का क्रम निर्धारण - राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए चरणबद्ध एजेंडा तय किया गया है।

14. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी- अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के रूप में मान्यता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

संभावित सकारात्मक प्रभाव

- **वैश्विक ऊर्जा बाजार को राहत** - होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के लगभग 20-25% तेल और 20% प्राकृतिक गैस व्यापार का मार्ग है। इसके सुरक्षित संचालन से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति स्थिर हो सकती है।
- **ईरान की अर्थव्यवस्था को मजबूती**- जमे हुए धन की वापसी और प्रतिबंधों में ढील से ईरान की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।
- **क्षेत्रीय तनाव में कमी**- लेबनान सहित कई संघर्ष क्षेत्रों में हिंसा कम होने की संभावना है।

प्रमुख चिंताएँ

हालाँकि समझौते में कई सकारात्मक पहलू हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं:

- बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर कोई प्रतिबंध नहीं।
- ईरान से जुड़े क्षेत्रीय गैर-राज्य समूहों (Proxy Groups) पर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं।
- IAEA की पूर्ण निगरानी व्यवस्था तत्काल बहाल नहीं की गई।
- भविष्य में किसी अमेरिकी प्रशासन द्वारा समझौते से हटने की संभावना बनी हुई है।

आगे की राह

विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 60 दिन निर्णायक होंगे। यदि दोनों देश विश्वास निर्माण, IAEA निरीक्षण और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने में सफल होते हैं, तो यह समझौता पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है।

निष्कर्ष

अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह 14-सूत्रीय समझौता केवल एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की बदलती भू-राजनीति का संकेत है। यदि यह प्रक्रिया सफल होती है, तो इससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को नया आधार मिल सकता है।

UPSC Prelims MCQs with Detailed Explanation

Q1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन "डाउनब्लेंडिंग प्रक्रिया" के संदर्भ में सही है?

1. यह यूरेनियम संवर्धन (Enrichment) की विपरीत प्रक्रिया है।
2. इसका उद्देश्य हथियार-ग्रेड यूरेनियम की शुद्धता को कम करना है।
3. इस प्रक्रिया की निगरानी IAEA कर सकता है।

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1 और 3
- D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

Explanation:

- कथन 1 सही है। Downblending, Enrichment की विपरीत प्रक्रिया है।
- कथन 2 सही है। इसका उद्देश्य HEU को LEU में बदलना है।
- कथन 3 सही है। IAEA इस प्रक्रिया की निगरानी करता है।

UPSC Fact: Downblending परमाणु अप्रसार (Nuclear Non-Proliferation) का महत्वपूर्ण उपकरण है।

Q2. "स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका विकास ICAR-IIOR द्वारा किया गया है।
2. इसमें जैव-अवक्रमणीय बायोपॉलिमर का उपयोग होता है।
3. यह केवल तिलहन फसलों के लिए विकसित की गई है।

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1 और 3
- D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

Explanation:

- कथन 1 सही है। तकनीक ICAR-IIOR, हैदराबाद ने विकसित की।
- कथन 2 सही है। इसमें Biodegradable Biopolymer का उपयोग होता है।
- कथन 3 गलत है। यह अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जियाँ, बागवानी आदि सभी फसलों के लिए अनुकूलित की जा सकती है।

UPSC Trap: "केवल" शब्द अक्सर कथन को गलत बना देता है।

Q3. VivaTech 2026 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह यूरोप का सबसे बड़ा स्टार्टअप एवं टेक्नोलॉजी आयोजन है।
2. इसका आयोजन पेरिस में होता है।
3. भारत ने 2026 में Human-Centric AI का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1 और 3
- D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

Explanation:

- VivaTech यूरोप का सबसे बड़ा Startup & Technology Event है।

- इसका आयोजन Paris, France में होता है।
- भारत ने Human-Centric, Ethical एवं Open-Source AI का समर्थन किया।

Exam Fact: VivaTech की स्थापना 2016 में हुई थी।

Q4. EWS आरक्षण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह 103वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा लागू किया गया।
2. इससे संविधान में अनुच्छेद 15(6) और 16(6) जोड़े गए।
3. यह SC/ST/OBC वर्गों पर लागू होता है।

- A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

Explanation:

- कथन 1 सही है।
- कथन 2 सही है।
- कथन 3 गलत है।

EWS केवल उन वर्गों के लिए है जो SC, ST और OBC आरक्षण के अंतर्गत नहीं आते।

Important Fact: EWS = 10% Reservation.

Q5. अमेरिका-ईरान 2026 समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें 60 दिनों की वार्ता अवधि निर्धारित की गई है।
2. ईरान को अपना पूरा संवर्धित यूरेनियम किसी तीसरे देश को सौंपना होगा।
3. समझौते में संयुक्त निगरानी तंत्र का प्रावधान है।

- A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

Explanation:

- कथन 1 सही है।
- कथन 2 गलत है। समझौते में ईरान को अपना 60% संवर्धित यूरेनियम तीसरे देश को देने की बाध्यता नहीं है।
- कथन 3 सही है।

UPSC Learning: Statement 2 अत्यधिक (Extreme Statement) है, इसलिए गलत है।

Q6. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

संस्था	कार्य
1. IAEA	परमाणु गतिविधियों की निगरानी

2. ICAR-IIOR	तिलहन अनुसंधान
3. VivaTech	वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन

- A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

Explanation:

- IAEA → Nuclear Monitoring Agency ✓
- ICAR-IIOR → Oilseeds Research Institute ✓
- VivaTech → Technology & Startup Event ✗

इसलिए केवल 1 और 2 सही हैं।

Q7. निम्नलिखित में से कौन-सा लाभ Smart Seed Coating Technology से संबंधित नहीं है?

- A. अंकुरण में सुधार
B. जलवायु तनाव के प्रति सहनशीलता
C. फसल उत्पादकता में वृद्धि
D. परमाणु विकिरण से सुरक्षा

उत्तर: D

Explanation:

स्मार्ट सीड कोटिंग कृषि तकनीक है। इसका परमाणु विकिरण से कोई संबंध नहीं है।

Q8. होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) का महत्व क्यों है?

1. यह विश्व के लगभग 20-25% तेल व्यापार का मार्ग है।
2. यह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है।
3. यह पनामा नहर का हिस्सा है।

- A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

Explanation:

- कथन 1 सही।
- कथन 2 सही।
- कथन 3 गलत।

Hormuz Strait पश्चिम एशिया का महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, Panama Canal का हिस्सा नहीं।

Q9. निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद EWS आरक्षण से संबंधित है?

- A. अनुच्छेद 15(6)
- B. अनुच्छेद 16(6)
- C. उपर्युक्त दोनों
- D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: C

Explanation:

103वें संविधान संशोधन के माध्यम से दोनों अनुच्छेद जोड़े गए:

- Article 15(6) → शिक्षा में आरक्षण
- Article 16(6) → सरकारी नौकरियों में आरक्षण

Q10. निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. VivaTech की स्थापना
2. EWS आरक्षण लागू
3. USA-Iran 14-Clause MoU

- A. 1-2-3
- B. 2-1-3
- C. 3-1-2
- D. 1-3-2

उत्तर: A

Explanation:

घटना	वर्ष
VivaTech स्थापना	2016
EWS Reservation	2019
USA-Iran MoU	2026

अतः सही क्रम = 1 → 2 → 3

UPSC/UPPCS Mains Practice Questions (10 Marks / 15 Marks Level)

1. Downblending Process

प्रश्न: "परमाणु अप्रसार (Nuclear Non-Proliferation) के संदर्भ में डाउनब्लेंडिंग प्रक्रिया के महत्व की व्याख्या कीजिए। यह वैश्विक सुरक्षा को कैसे सुदृढ़ करती है?" (10 अंक, 150 शब्द)

मुख्य आयाम:

- Downblending की अवधारणा
- HEU से LEU

- IAEA की भूमिका
- परमाणु हथियारों की रोकथाम
- ईरान-अमेरिका समझौते का संदर्भ
- चुनौतियाँ

2. Smart Seed Coating Technology

प्रश्न: "स्मार्ट सीड कोटिंग तकनीक जलवायु-सहिष्णु कृषि (Climate Resilient Agriculture) की दिशा में एक महत्वपूर्ण नवाचार है। इसके कार्यप्रणाली, लाभ एवं सीमाओं का परीक्षण कीजिए।" (10 अंक, 150 शब्द)

मुख्य आयाम:

- तकनीक का परिचय
- Biopolymer आधारित कोटिंग
- जलवायु परिवर्तन
- उत्पादकता वृद्धि
- वर्षा आधारित कृषि
- चुनौतियाँ

3. VivaTech 2026

प्रश्न: "VivaTech 2026 में भारत की भागीदारी भारत-फ्रांस तकनीकी सहयोग एवं डिजिटल कूटनीति को नई दिशा प्रदान करती है। चर्चा कीजिए।" (10 अंक, 150 शब्द)

मुख्य आयाम:

- VivaTech का परिचय
- भारत-फ्रांस संबंध
- AI सहयोग
- Digital Public Infrastructure (DPI)
- Startup Ecosystem
- रणनीतिक महत्व

4. EWS Reservation

प्रश्न: "आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) आरक्षण सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, किन्तु इसके क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियाँ इसकी प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।" (15 अंक, 250 शब्द)

मुख्य आयाम:

- 103वाँ संविधान संशोधन
- सामाजिक न्याय
- आय सीमा विवाद
- सत्यापन तंत्र
- वास्तविक लाभार्थी
- सुधार के सुझाव

5. USA-Iran 14-Clause MoU

प्रश्न: "अमेरिका और ईरान के बीच 14-सूत्रीय समझौता पश्चिम एशिया की बदलती भू-राजनीति का प्रतीक है। इस समझौते के प्रमुख प्रावधानों तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।" (15 अंक, 250 शब्द)

मुख्य आयाम:

- समझौते का परिचय
- होर्मुज जलडमरूमध्य
- प्रतिबंधों में ढील
- परमाणु कार्यक्रम
- ऊर्जा सुरक्षा
- क्षेत्रीय स्थिरता
- चुनौतियाँ एवं भविष्य

UPSC Examiner Style Integrated Question

प्रश्न: "हाल के वैज्ञानिक नवाचारों (Smart Seed Coating Technology) तथा वैश्विक कूटनीतिक पहलों (USA-Iran MoU, Nuclear Downblending) से स्पष्ट होता है कि 21वीं सदी की चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग दोनों आवश्यक हैं। चर्चा कीजिए।" (15 अंक, 250 शब्द)

UPPCS PRELIMS SPECIAL-2026



विजय संकल्प बैच

हिंदी माध्यम की सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी के साथ तैयारी

26 जून 8:00 PM ₹ 3,999/-

JOIN NOW

Visit: www.gsworldias.in | www.courses.gsworldias.in

7905693289, 9654349902

गुरुकुल मेंटरशिप

INTEGRATED PRELIMS & MAINS PROGRAM

UPPCS 2026

ONLINE
₹ 10,000/-

OFFLINE
₹ 20,000/-

JOIN NOW

Visit: www.gsworldias.in | www.courses.gsworldias.in

9654349902, 7905693289

सामान्य अध्ययन फाउंडेशन बैच 2026-27

विषय: इतिहास

STARTING DATE

22 JUNE 2026
8:30 AM

To Join Our Courses
Download GS WORLD Learning App

VIJAY VED SIR

OFFLINE: PRAYAGRAJ | ONLINE: DELHI

7905693289, 9654349902

